

Production of Iron Ore

*184. SHRI PREM CHAND VERMA: Will the Minister of STEEL, MINES AND METALS be pleased to state:

(a) the total production of iron ore during the years 1966-67 and 1967-68;

(b) the quantity of iron ore exported during the years 1966-67 and 1967-68;

(c) whether the targets of exports during these years were achieved; and

(d) the targets of production and exports during 1968-69?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF STEEL, MINES AND METALS (SHRI RAM SEWAK): (a) The total production was as under:—

1966-67	262.89 lakh tonnes
1967-68	259.29 lakh tonnes

(b) and (c). 132 lakh tonnes and 142 lakh tonnes of iron ore were exported during 1966-67 and 1967-68 respectively as against the target of 142 lakh tonnes and 146 lakh tonnes respectively.

(d) The exports during 1968-69 have been forecast at 158 lakh tonnes. The requirement of the indigenous steel industry during 1968-69 is estimated at 146 lakh tonnes. The total production target will therefore be of the order of 304 lakh tonnes for 1968-69.

श्री प्रेम चन्द बर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूँ कि क्या यह ठीक है कि 64-65 की रिपोर्ट में, उस के पंज 11 पर लिखा हुआ है कि 70-71 में 2 करोड़ 50 लाख टन आयरन और पैदा किया जायेगा और जो उनका यह टारगेट था जिसका उन्होंने वादा किया है क्या उसके मृताबिक वह टारगेट पूरा हो जायेगा? अगर

नहीं होगा तो उसके क्या कारण हैं और उसके जिम्मेदार कौन हैं? और क्या यह भी सही है कि 66-67 तक कम्पनी को 2 करोड़ 95 लाख का घाटा हुआ है? यदि हाँ, तो उसके बड़े बड़े कारण क्या हैं?

इस्यार्त, खान तथा धातु मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री प्र० चं० सेठी) : अध्यक्ष महोदय, जहाँ तक घाटे का ताल्लुक है, मैं समझता हूँ माननीय सदस्य का इशारा किरीवरन आइरन और प्रोजैक्ट की तरफ है। जहाँ तक किरीवरन आइरन और प्रोजैक्ट का ताल्लुक है उसमें घाटे के मुक्तलिफ कारण हैं। उसमें एक तो यह है कि विशाखापटनम में आइरन और मेकेनिकल हैडलिग प्लान्ट की जरूरत थी जो कि नहीं लग सका जिसकी वजह से उतना एक्सपोर्ट नहीं हो सका। जो कमी हुई उसका एक कारण यह भी था कि लम्प और एण्ड माइन्स का जो रेशियो 60-40 होने की आशा थी वह रेशियो नहीं रहा। और भी कारण थे जिनके कारण कारखाना पूरी तरह से काम नहीं कर सका। इसके अलावा घाटे के और भी कारण हैं। इसकी आपरेटिंग कास्ट और ट्रांसपोर्टेशन कास्ट जो है उसके हिसाब से इसको 56.94 रु० में बेचते हैं जबकि इसका टोटल खर्चा 67.84 रु० आता है इस तरह करीब 10 रुपया पर टन का लास होता है। जहाँ तक प्रोडक्शन का ताल्लुक है, प्रोडक्शन में भी कमी हो जाने के कई वजूहात हैं। जो टारगेट्स एक्सपेक्टेड थे वह मीटीरियलाइज नहीं हुए। जहाँ तक एक्सपोर्ट का सवाल है, उसको बढ़ाने की कोशिश की जा रही है।

श्री प्रेम चन्द बर्मा : मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूँ कि आइरन और की जो प्रोडक्शन कास्ट है वह 16.48 है जबकि प्राइवेट पार्टीज 16 रुपए में गवर्नमेंट को बेचती हैं और 16 रुपए में भी बेचकर मुनाफा कमाती हैं लेकिन सरकार 16.48 में भी बेचकर 2 करोड़ 95 लाख रुपए का

घाटा उठाती है, तो क्या सरकार इस बात पर विचार करेगी कि एन० एम० डी० सी० के दो कारपोरेशन बनाए जायें जिनमें से एक तो एक्सपोर्ट का काम करे और दूसरी माइन्स पर कंट्रोल करे ताकि घोटालों का पता लग सके कि वे माइन्स के अन्दर हैं या एन० एम० डी० सी० में हैं ?

श्री प्र० चं० सेठी : जहां तक किरिबर्न आयरन ओर का सवाल है उसकी प्रापरेटिंग कास्ट 10 रु० 11 पैसे हैं और इस प्रकार से उसमें कोई घाटा नहीं है लेकिन 28 रु० रेलवे फ्रीट देना पड़ता है क्योंकि लांग लीड है और उसके बलावा 2.17 इन्टरेस्ट लगता है, 1.50 रायल्टी और सेस है। किरिबुरु ओर का डेप्रिसियेशन चार्ज 3 रुपये 91 पैसे है। पोर्ट चार्ज 9 रुपये हैं और एक्सपोर्ट ड्यूटी 10 रुपये 50 पैसे है...

श्री प्रेम चन्द शर्मा : 10 रुपये 50 पैसे तो कुछ नहीं है। उनकी किताब में 16 रुपये 48 पैसे लिखा है।

SHRI P. C. SETHI: I am giving the latest figures.

SHRI E. K. NAYANAR: In reply to previous questions, the hon. Minister said that the Government was going to enquire into the loss of export of iron ore from India, and to take steps to achieve the 1970-71 target of export of iron ore. The Geological Survey had reported that Rs. 100 crores worth of iron was available in the Calicut coastal area. May I know whether the Government will contact foreign countries and explore the possibility of the export of iron ore?

SHRI P. C. SETHI: It is true that in the Kozhikode area of Kerala, the Geological survey of India have estimated the deposits to the tune of 330 million tons. These are magnetite ores, with 30-35 per cent ferrous content. We are experimenting with

this type of ore in Godramukh area in Mysore and if it is proved feasible technically and economically, we shall embark upon this project also.

श्री शिव चन्द्र झा : मैं जानना चाहता हूँ कि सन् 1966-67 और 67-68 में जो कच्चे लोहे का निर्यात हुआ वह कितना हुआ और उससे कितना फौरेन एक्सचेंज भारत को मिला ? कन्टीवाइज कितना कच्चा मान किस किस मुल्क में एक्सपोर्ट किया गया और उससे कितना फौरेन एक्सचेंज आया ? साथ ही यह जो आयरन ओर एक्सपोर्ट किया गया है वह किन टर्मस और शरायत पर किया गया है ? कन्टीवाइज ब्रैक अप मन्व जी बतलायें।

श्री प्र० चं० सेठी : अध्यक्ष महोदय, यह आयरन ओर दो तरीके से एक्सपोर्ट होता है। एक तो यह एम० एम० टी० सी० के जरिए होता है दूसरे प्राइवेटली गोआ माइन्स के जरिए होता है। लेकिन यह आयरन एक्सपोर्ट का कन्टीवाइज ब्रैक अप इस वक्त मेरे पास मौजूद नहीं है और इसके लिए अलग से अगर माननीय सदस्य सवाल करेंगे तो उन्हें इसकी जानकारी मैं दे दूंगा।

श्री कामेश्वर सिंह : यहां पर मन्त्री महोदय को तैयार होकर आना चाहिए।

श्री शिव चन्द्र झा : बिना तैयारी के इम तरह आने से क्या फायदा है ? वे बेकार के मन्त्री हैं।

अध्यक्ष महोदय : श्री शर्मा।

SHRI D. C. SHARMA: Every country of the world does what is called perspective planning as to how long the iron ore deposits with them would last and plans the export of ore on that basis. May I know if our country has done anything about that kind of planning to know how long the iron ore deposits in India would last and keep our steel mills going?

SHRI P. C. SETHI: The total proved deposits of iron ore are over 1100 million tonnes. The unproved reserves are stated to be in terms of thousands of millions of tons, so that we have got enough to export as well as meet the indigenous demands.

SHRI S. M. KRISHNA: Sometime ago the Minister said in reply to a question that in Kudaraimukha in Mysore State, where there is a very big deposit of iron ore, some experimental survey was being conducted with the help of foreign collaboration. May I know when the stage of experiment would be over and when Government would take concrete steps to export iron ore from there?

SHRI P. C. SETHI: As far as Kudaraimukha iron ore project is concerned, it is true that there are deposits to the tune of 600 million tonnes. We are negotiating with Marconi and three Japanese firms for conducting pilot tests. These tests are likely to take 18 months, because it involves a lot of technical data to be collected.

SHRI SRADHAKAR SUPAKAR: May I know whether the export of iron ore is more competitive than the export of steel and pig iron and if not, what is the programme of the Government to see that the export of iron ore is reduced and export of steel and pig iron is increased gradually?

SHRI P. C. SETHI: As I said, we have got such vast resources of iron ore that we can produce iron ore and we can also produce more steel. There is ample scope for export of iron ore and from this point of view, the export of iron ore will have to be augmented rather than reduced.

SHRI P. K. DEO: The main impediment in fulfilling our export quota of iron ore and further boosting it is the transport bottleneck. The Paradip port was primarily constructed for the export of iron ore to Japan. In view of the transport bottleneck, may I

know if the Government is considering the rail link between Cuttack and Paradip and from Talcher to Barsua?

MR. SPEAKER: I do not think this Minister can answer that.

SHRI P. K. DEO: They should put pressure on the Railway Ministry.

SHRI P. VENKATASUBBAIAH: We are slowly losing the international market with regard to export of iron ore primarily because the cost of production is going up. It is accentuated by the fact that the royalty varies from State to State. May I know whether Government have examined all these factors? If so, what steps are they taking to see that the cost of production is brought down to increase the export potential?

SHRI P. C. SETHI: The question of administering royalty on the basis of tonnage is under the active consideration of Government. The rates of royalty are not different in different States. Regarding cost of production, as far as Kiriburu and Bailadilla projects are concerned, when they reach the maximum production, the cost of production will come down. But the railway freight and other duties have also to be taken into consideration.

Industrial Units in West Bengal

+

*185. **SHRI BENI SHANKER**

SHARMA:

SHRI D. C. SHARMA:

Will the Minister of **INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS** be pleased to state:

(a) whether 118 industrial units had been closed down in West Bengal in 1967-68;

(b) whether any investigations have been made into the causes of their closure; and

(c) if so, the steps taken or proposed to be taken to enable them to start functioning again?